IJAREEIE

e-ISSN: 2278-8875
p-ISSN: 2320-3765

International Journal of Advanced Research

in Electrical, Electronics and Instrumentation Engineering

Volume 13, Issue 3, March 2024

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 8.317

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

सीकर शहर की नगरीकरण की संभावनाएं और समस्याएं

[1]MADHVI PARASHAR & [2]DR. SANJEEV KUMAR

[1]RESEARCH SCHOLAR, SRRM GOVT. COLLEGE, JHUNJHUNU, INDIA

[2]ASSISTANT PROFESSOR, SRRM GOVT. COLLEGE, JHUNJHUNU, INDIA

प्रस्तावना

सीकर भारत में राजस्थान राज्य के सीकर जिले में एक शहर और नगरपालिका परिषद है । यह सीकर जिले का प्रशासनिक मुख्यालय है । यह शेखावाटी क्षेत्र का सबसे बड़ा शहर है , जिसमें सीकर , चूरू और झुंझुनू शामिल हैं । कोटा के बाद , सीकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए देश के प्रमुख कोचिंग केंद्रों में से एक है और इसमें कई इंजीनियरिंग और मेडिकल कोचिंग संस्थान हैं। [2]

सीकर कृषि व्यापार का भी एक प्रमुख केंद्र है, क्योंकि यह अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में बड़े मैदानी क्षेत्रों से घिरा हुआ है । [3] यह एक प्रमुख रेल और सड़क जंक्शन भी है।

सीकर एक ऐतिहासिक शहर है और इसमें कई पुरानी हवेलियाँ हैं । यह जयपुर से 115 किमी (71 मील), जोधपुर से 320 किमी (200 मील) , बीकानेर से 215 किमी (134 मील) और नई दिल्ली से 280 किमी (170 मील) दूर है ।

सीकर जिला खाटू श्याम मंदिर के लिए भी लोकप्रिय है , जो रींगस से 16 किमी दूर खाटू शहर में स्थित है ।

भौगोलिक पृष्ठभूमि

सीकर जयपुर राज्य का सबसे बड़ा ठिकाना (एस्टेट) था। पहले सीकर को शेखावाटी प्रदेश के नाम से जाना जाता था। यह ठिकाना सीकर की राजधानी थी। सीकर सात "पोल" (द्वार) वाली किलेबंद दीवारों से घिरा हुआ है। इन ऐतिहासिक द्वारों के नाम हैं: बावरी गेट, फ़तेहपुरी गेट, नानी गेट, सूरजपोल गेट, दूजोद गेट पुराना, दूजोद गेट नया और चांदपोल गेट। शेखावत राजपूत इस क्षेत्र के शासक थे। सीकर शहर राजस्थान के सीकर जिले का जिला मुख्यालय है , जो राजस्थान के पूर्वी भाग में स्थित है । यह राजस्थान का छठा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। यह 27.62°N 75.15°E पर स्थित है । [4] इसकी औसत ऊंचाई 427 मीटर (1,401 फीट) है।

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

छिपानासीकर के लिए जलवायु डेटा (1981-2010, चरम 1946-2009)													
महीना	जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसम्बर	वर्ष
उच्चतम °C (°F) रिकॉर्ड करें	31.4 (88.5)	37.4 (99.3)	45.0 (113.0)	45.5 (113.9)	49.0 (120.2)	49.7 (121.5)	44.4 (111.9)	41.1 (106.0)	40.0 (104.0)	41.0 (105.8)	37.8 (100.0)	32.5 (90.5)	49.7 (121.5)
औसत अधिकतम डिग्री सेल्सियस (डिग्री फारेनहाइट)	27.3 (81.1)	30.4 (86.7)	36.2 (97.2)	41.9 (107.4)	44.1 (111.4)	44.7 (112.5)	40.4 (104.7)	37.4 (99.3)	37.7 (99.9)	37.4 (99.3)	33.1 (91.6)	28.6 (83.5)	44.9 (112.8)
औसत दैनिक अधिकतम °C (°F)	22.2 (72.0)	25.1 (77.2)	30.9 (87.6)	36.8 (98.2)	39.8 (103.6)	40.1 (104.2)	35.4 (95.7)	33.7 (92.7)	34.5 (94.1)	34.0 (93.2)	28.5 (83.3)	23.5 (74.3)	32.1 (89.8)
औसत दैनिक न्यूनतम °C (°F)	4.9 (40.8)	8.0 (46.4)	13.9 (57.0)	19.5 (67.1)	24.4 (75.9)	26.2 (79.2)	25.0 (77.0)	24.4 (75.9)	23.3 (73.9)	17.9 (64.2)	11.0 (51.8)	6.0 (42.8)	17.0 (62.6)
औसत न्यूनतम डिग्री सेल्सियस (डिग्री फारेनहाइट)	1.1 (34.0)	3.9 (39.0)	9.3 (48.7)	13.9 (57.0)	19.7 (67.5)	21.5 (70.7)	22.0 (71.6)	21.9 (71.4)	20.4 (68.7)	13.6 (56.5)	6.8 (44.2)	1.8 (35.2)	1.0 (33.8)
न्यूनतम °C (°F) रिकॉर्ड करें	−3.0 (26.6)	−4.2 (24.4)	1.3 (34.3)	7.0 (44.6)	10.1 (50.2)	11.9 (53.4)	15.1 (59.2)	16.9 (62.4)	13.1 (55.6)	5.4 (41.7)	0.0 (32.0)	−4.9 (23.2)	−4.9 (23.2)
औसत वर्षा मिमी (इंच)	5.1 (0.20)	7.7 (0.30)	2.8 (0.11)	4.5 (0.18)	17.0 (0.67)	50.7 (2.00)	125.8 (4.95)	95.5 (3.76)	36.1 (1.42)	9.6 (0.38)	1.9 (0.07)	1.8 (0.07)	358.5 (14.11)
औसत वर्षा वाले दिन	0.6	0.9	0.4	0.6	1.4	2.0	5.3	5.0	2.4	0.5	0.4	0.2	19.8
औसत सापेक्ष आर्द्रता (%) (17:30 IST पर)	50	41	36	33	35	39	58	60	52	38	38	42	44

सीकर जिले में किसानों के पास ज्यादा भूमि नहीं है। इसी कारण कम भूमि पर अधिक से अधिक फसलों का उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में कृषि में नई तकनीकी के विकास , उन्नत बीजों का प्रयोग , उन्नत जैविक व रासायनिक खाद एवं विभिन्न कीट नाशकों

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

के कारण कम भूमि में भी ज्यादा से ज्यादा पैदावार ली जाती है। सीकर की अर्थव्यवस्था का प्राथमिक आधार कृषि है। बाजरा या बाजरा और चना सीकर की प्रमुख फसलें हैं। यहां तांबा और लौह-अयस्क काफी मात्रा में पाए जाते हैं।[1,2,3]

सीकर का कृषि अनुसंधान केंद्र फ़तेहपुर, शेखावाटी -332301 में स्थित है। सीकर, झुंझुनू, नागौर और चुरू के कुछ हिस्से कृषि जलवायु क्षेत्र या एनएआरपी के अंतर्गत आते हैं। जून से सितंबर या दक्षिण-पश्चिम मानसून के महीनों के दौरान सीकर में औसतन 364 मिमी वर्षा होती है। सामान्यतः वर्षा की शुरुआत जून के अंतिम सप्ताह में होती है और समाप्ति सितम्बर के अंतिम सप्ताह में होती है।

जनसंख्या स्वरूप

2011 की जनगणना के अनुसार सीकर शहर की जनसंख्या लगभग 237,579 [7] थी । भारत की जनगणना की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार , 2011 में सीकर की जनसंख्या 237,579 है; जिनमें लगभग 123,156 पुरुष और 114,423 महिलाएँ हैं। सीकर शहर का लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 929 महिलाएं है। शिक्षा के संबंध में, सीकर शहर में कुल साक्षर 158,413 हैं जिनमें से 91,403 पुरुष हैं जबकि 67,010 महिलाएं हैं। सीकर शहर की औसत साक्षरता दर 77.13 है, पुरुष और महिला साक्षरता की स्थिति क्रमशः 86.29 और 67.37 है। सीकर शहर में बच्चों (0-6) की कुल जनसंख्या लगभग 32,189 है, जिसमें 17,236 लड़के और 14,953 लड़कियाँ शामिल हैं। लड़कियों का बाल लिंगानुपात प्रति 1000 लड़कों पर 868 है।

सीकर के क्षेत्रफल का वितरण

सीकर का भौगोलिक क्षेत्रफल 774 हेक्टेयर (हेक्टेयर 10,000m2 के बराबर है) है। इसमें से 531.3 हेक्टेयर खेती योग्य क्षेत्र के अंतर्गत आता है, 61.08 हेक्टेयर वन क्षेत्र है, 33.93 हेक्टेयर गैर-कृषि उपयोग के तहत भूमि है, 40.64 हेक्टेयर स्थायी पाश्चर है, 38.14 हेक्टेयर खेती योग्य बंजर भूमि है, 0.06 हेक्टेयर विविध वृक्ष फसलों और उपवनों के तहत भूमि है, 18.24 हेक्टेयर भूमि है हेक्टेयर बंजर और गैर-कृषि योग्य भूमि है और 9.21 हेक्टेयर वर्तमान परती भूमि के अंतर्गत आती है। 379.7 हेक्टेयर रेतीली मिट्टी है जो कुल क्षेत्रफल का 49 प्रतिशत है। 394.4 हेक्टेयर उपजाऊ मिट्टी या रेतीले करघे के अंतर्गत आता है और कुल क्षेत्रफल का 50.9 प्रतिशत है। 522.3 हेक्टेयर शुद्ध बोया गया क्षेत्र है, जिसमें से 212.4 हेक्टेयर एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र है। 734.2 हेक्टेयर सकल फसली क्षेत्र है।

सीकर में सिंचाई

जब सिंचाई की बात आती है, तो शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र 610.7 हेक्टेयर है। शुद्ध सिंचित क्षेत्र 262.6 हेक्टेयर है। सकल खेती योग्य क्षेत्र 734.7 हेक्टेयर, सकल सिंचित क्षेत्र 266.1 हेक्टेयर और वर्षा सिंचित क्षेत्र 622.3 हेक्टेयर है। सिंचाई के प्रमुख स्रोत खुले कुएँ और बोरवेल हैं। सीकर में कुल 45475 कुएं हैं जो 262.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हुए हैं।

सीकर में उगाई जाने वाली फसलें

सीकर में उगाई जाने वाली फसलें बाजरा, ग्वारपाठा, लोबिया, मूंग, मोठ, गेहूं, जौ, सरसों, चना हैं। बाजरा 298 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है, जिसमें से 98 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित है। क्लस्टरबीन 81 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है। लोबिया 59 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है। मूंग 15 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है। मोठ 9 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है। 85 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं उगाया जाता है, जिसका पूरा क्षेत्र सिंचित है। जौ 26 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है, जिसका पूरा क्षेत्र सिंचित है। सरसों 80 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती है, जिसका पूरा क्षेत्र सिंचित है। चना 38 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है, जिसका पूरा क्षेत्र सिंचित है। आंवला और बेर तथा आम सीकर में उगाए जाने वाले बागवानी फल हैं। फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मूली और प्याज सीकर में उगाई जाने वाली बागवानी सब्जियाँ हैं। एलोवेरा, गुलाब और गेंदा सीकर में उगाई जाने वाली औषधीय और सुगंधित फसलें हैं। मेहंदी और अरंडी सीकर में उगाई जाने वाली वृक्षारोपण फसलें हैं, जबकि ल्यूसर्न, बाजरा, जौ चारा फसलें हैं।

सीकर में पशुधन

सीकर के पशुधन में 196000 मवेशी, 58 भैंस, 880 बकरियां, 237 भेड़ और 41 ऊंट, सुअर और याक शामिल हैं। यहां के पोल्ट्री में कुल 134 पक्षी हैं।

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

सीकर शहर की नगरीय आकारिकी

समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाला राजस्थान का शहर होने के नाते, सीकर में कई हवेलियाँ हैं , जिनमें से कुछ सदियों पुरानी हैं। अपनी हवेलियों के अलावा, सीकर भारत में ब्रिटिश शासन से पहले और उसके दौरान बनाए गए अपने प्राचीन किलों के लिए भी प्रसिद्ध है। इसमें चारणवास गांव भी शामिल है । सीकर के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) श्री सौरभ स्वामी [10] हैं और पुलिस अधीक्षक श्री अनिल पेरिस देशमुख हैं [10]सीकर शहर एक नगर परिषद द्वारा शासित है, जो सीकर शहरी समूह के अंतर्गत आता है। नगर परिषद का नया भवन किसी महल या हवेली की तरह शेखावाटी शैली में बनाया गया है। सीकर शहर 60 वार्डों में विभाजित है। हालाँकि सीकर शहर की जनसंख्या 237,579 (2011 में) है, इसकी शहरी/महानगरीय जनसंख्या 244,563 (2011 में) है। सीकर महानगरीय क्षेत्र में चंद्रपुरा (ग्रामीण), राधाकृष्णपुरा, समर्थपुरा, शिवसिंहपुरा और सीकर शहर शामिल हैं। सीकर से वर्तमान संसद सदस्य स्वामी सुभेदानंद सरस्वती हैं जो मई 2014 में चुने गए और मई 2019 में बने रहेंगे।

1. हिमानी शाह - सीकर की राजकुमारी (अब नेपाल की पूर्व राजकुमारी)

1. जमनालाल बजाज - वह एक उद्योगपति और स्वतंत्रता सेनानी थे, उन्हें महात्मा गांधी के पांचवें पुत्र के रूप में भी जाना जाता था। वह एक प्रसिद्ध व्यवसायी भी थे जिनकी वित्त, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में कई अग्रणी कंपनियां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही हैं। वह देश के लिए महान दानवीर थे। उन्होंने कई इमारतें और सीकर शहर से 5 किमी दूर सांवली नामक एशिया भर में प्रसिद्ध टीबी सैनिटोरियम दान में दिया था। उनका जन्म सीकर के पास एक छोटे से गाँव काशी का बास में हुआ था। उन्होंने 'बजाज भवन' की भी स्थापना की, जो वर्तमान में सीकर में बजाज रोड पर है। यह बैठकों और सेमिनारों के लिए अपने ऊपरी हॉल के लिए जाना जाता है और निचले स्थान पर कई कमरे और एक दुकान सह खादी करघा घर है। उन्होंने सीकर और मुंबई में कई जगहें दान की हैं जहां उनका कारोबार था।
2. दिनेश कुमार - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और डीन [11]
3. महादेव सिंह खंडेला - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ
4. बंशीधर बाजिया - राजनीतिज्ञ और खंडेला निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा के पूर्व सदस्य

सीकर की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि से है और यहां पैदा होने वाली प्राथमिक फसलें चना और बाजरा हैं। सीकर जिले में उपलब्ध मुख्य खनिज लौह-अयस्क और तांबा हैं। कृषि के अलावा, सीकर औद्योगिक क्षेत्र में भी विकास कर रहा है और कई निर्माण कंपनियों के साथ-साथ आईटी कंपनियां भी साल दर साल सामने आई हैं। प्रसिद्ध राजस्थान गोंद उद्योग की शुरुआत 1977 में एक छोटे व्यवसाय के रूप में हुई थी, और अब यह उसी क्षेत्र के अन्य उद्योगों के साथ स्थापित होने की ओर अग्रसर है।2,3,4]

सीकर शहर का भू-उपयोग प्रतिरूप

रेल

सीकर जंक्शन रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के क्षेत्र में आता है । सीकर शहर झुंझुनू , रेवाडी , दिल्ली , चूरू , बीकानेर , श्री गंगानगर , हिसार , जयपुर , कोटा , अजमेर , उदयपुर , आबू रोड , इंदौर , अहमदाबाद और मुंबई , मथुरा , प्रयागराज अलवर से जुड़ा हुआ है । 2010 से प्रस्तावित नई लाइनें सीकर से नोखा वाया सुजानगढ़ और सीकर से नीम-का-थाना वाया उदयपुरवाटी हैं ।

सड़क

सीकर राजस्थान के सभी प्रमुख शहरों और आसपास के राज्यों से सड़कों द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। चार लेन वाला राष्ट्रीय राजमार्ग NH-52 शहर से होकर गुजरता है। NH-52 सीकर को जयपुर और बीकानेर से जोड़ता है । केंद्र सरकार की मुख्य परियोजना वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर भी सीकर के रींगस से होकर गुजरता है। कोटपूतली कुचामन मेगा हाइवे भी सीकर से होकर गुजरता है। झुंझुनू-जयपुर राज्य राजमार्ग भी सीकर से होकर गुजरता है।

हवाई अड्डा

सीकर शहर का निकटतम हवाई अड्डा जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो दिल्ली , मुंबई , हैदराबाद , बैंगलोर , पुणे , इंदौर , अहमदाबाद , चेन्नई , गुवाहाटी , कोलकाता , उदयपुर , दुबई , शारजाह और मस्कट के लिए दैनिक उड़ानें संचालित करता है । शाहपुरा (जयपुर जिले का एक शहर) में एक नया हवाई अड्डा प्रस्तावित है जो सीकर के बहुत करीब है। भुगतान पर छोटे निजी विमानों की लैंडिंग के लिए तारपुरा गांव में एक छोटी हवाई पट्टी भी उपलब्ध है।

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

नगरीकरण की संभावनाएं एवं समस्याएं

नगरीकरण से सीकर में जनसंख्या का घनत्व बढ़ता जा रहा है मोटर वाहनों तथा यातायात के यंत्र चालित दुपहिया,तिपहिया वाहनों की अधिकता से दुर्घटनाओं में वृद्धि होती जा रही है तथा पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है नगरों में दिल्ली जैसे शहर में गाड़ियों से ही प्रदूषण फैलता है।

पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनज़र शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि सीकर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषत: समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है।

सीकर में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं।

यातायात की समस्या

सीकर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं।

कुछ अन्य समस्याएँ

- हमारे देश का लगभग सीकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित है। स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण एवं व्यवसायीकरण ने शहरों में असमानताओं को जन्म दिया है।
- सीकर की सड़कों पर गड्ढे, सीवर प्रणाली का अभाव एवं जल-जमाव से होने वाली परेशानियाँ, बिजली, पानी एवं संचार सुविधाओं का अस्त-व्यस्त व असमान रूप शहरी जीवन को इतना अधिक समस्यामूलक बना देता है कि कई शहरों में जाने की कल्पना मात्र से सिहरन होने लगती है।
- अपराध की दृष्टि से भी सीकर तुलनात्मक रूप से अधिक असुरक्षित हैं...कंक्रीट के जंगल में रहने वाले लोग अपने पड़ोसी को भी नहीं जानते।
- भावनाशून्यता, संवादहीनता और व्यक्तिवादिता की प्रवृत्ति सीकर जनसंख्या के जीवन का हिस्सा बन गई है।[3,4,5]

नवउदारवाद और वैश्वीकरण के बाद अब गाँव केवल खाद्य, श्रम एवं कच्चे उत्पादों के आपूर्तिककर्त्ता बनकर रह गए हैं। सीकर आधुनिकीकरण व उपभोक्तावादी सभ्यता को प्रदर्शित करते हैं और अधिकांश गाँव अपने अस्तित्व के लिये शहरों से जुड़े हुए हैं। शहरीकरण, औद्योगीकरण, सामाजिक गतिशीलता एवं पलायन की प्रक्रिया में वृद्धि हुई है और नई पीढ़ी गाँवों से शहरों की ओर पलायन करने लगी है।

आज देश के सम्मुख शहरीकरण का प्रबंधन सबसे जटिल समस्या है। शहरों की चकाचौंध आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिये हमेशा से ही आकर्षण का विषय रही है और वे प्राय: इस आकर्षण के वशीभूत होकर शहरों की ओर पलायन कर जाते हैं, जहाँ पहले से ही लोगों की भरमार होती है। वहाँ पहुंच कर वे भी आवास, जलापूर्ति, जलमल निकासी, स्थानीय परिवहन और रोज़गार के अवसरों जैसी पहले से ही मौजूद गंभीर समस्याओं के शिकार हो जाते हैं । सीकर गरीब अनेक जटिल रोगों सहित कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के शिकार होते हैं। सीकर क्षेत्रों में लोगों की बढ़ती हुई संख्या के कारण सरकारों की अधिकांश बुनियादी सेवाएँ प्रदान करने की क्षमता पर भारी दबाव पड़ता है । अवैध रूप से बसने वाली स्लम बस्तियाँ शहरों का अविभाज्य हिस्सा बन चुकी हैं। इनमें रहने वाले लोगों को पेयजल और कचरे के निपटान जैसी बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं मिल पातीं।

सीकर पर ध्यान दिये बिना अधूरा रहेगा विकास

- भारत को गाँवों का देश कहा जाता है और यहाँ की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में रहती है।

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

- देश के आधे से अधिक लोगों का जीवन खेती पर निर्भर है, इसलिये यह कल्पना करना बेमानी होगा कि सीकर के विकास के बिना देश का विकास किया जा सकता है।
- थोड़ी सी सुविधाएँ प्रदान कर देने मात्र से सीकर का विकास होना बहुत मुश्किल है। बदलते वक्त के साथ अगर भारतीय गाँवों पर ध्यान नहीं दिया गया तो इनका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।
- ग्रामीण विकास के ज़रिये ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिये सरकार ने इस बात को स्वीकार किया है कि आवास और बुनियादी सुविधाएँ आर्थिक विकास के मुख्य वाहक हैं।
- सरकार के ग्रामीण विकास कार्यक्रम का एजेंडा समावेशी विकास पर आधारित है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ गरीब और वंचित वर्गों तक पहुँचे।
- ग्रामीण संकट का मूल कारण वहाँ रहने वालों की आय का कम होना है। इसके लिये सरकार ने रोज़गार सृजन, कौशल विकास और उद्यमिता से संबंधित कई योजनाओं, कार्यक्रमों और पहलों की शुरुआत की है।

शहरीकरण को लेकर सरकार की प्राथमिकता

सीकर क्षेत्रों का सतत, संतुलित एवं समेकित विकास सरकार की मुख्य प्राथमिकता एवं शहरी विकास का एक केंद्रीय विषय है। जिस तरीके से देश में 'शहरीकरण' की प्रक्रिया का प्रबंधन होगा, उसी से यह निर्धारित होगा कि किस सीमा तक सीकर अवस्थांतर का लाभ उठाया जा सकता हैं। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के संचालन में शहरों के उभरने से भारत अपनी विकास यात्रा के एक अहम पड़ाव पर है, जहाँ शहरों/कस्बों के विकसित होने, संपन्न होने तथा निवेश एवं उत्पादकता का व्यावसायिक केंद्र बनने के लिये पर्याप्त अवसरों का सृजन अवश्य किया जाना चाहिये। जलवायु परिवर्तन की गंभीर स्थिति को कम करने के लिये स्मार्ट सिटी मिशन जैसे अभियानों को पर्यावरण, सतत एवं अवसंरचना विकास के लिये अनेक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रयासों, उत्सर्जन में कमी एवं आपदा के प्रति शहरों का लचीलापन बढ़ाने के अनुरूप तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (सीकर) के अंतर्गत अभिनव एवं आधुनिक निर्माण प्रौद्योगिकी के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिये प्रौद्योगिकी सब-मिशन भी शुरू किया गया है। इसके अलावा शहरों में रहने की उपयुक्तता के मापन की आवास एवं सीकर मामलों के मंत्रालय की परियोजना में सभी संकेतक विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े हैं। इनमें सार्वजनिक परिवहन से लेकर पानी के दोबारा इस्तेमाल, प्रदूषण आदि को शामिल किया गया है।[4,5]

निष्कर्ष एवं सुझाव

सीकर जिला भारत के राजस्थान प्रान्त का एक जिला है। यह जिला शेखावाटी के नाम से जाना जाता है, यह प्राकृतिक दृष्टि महत्वपूर्ण से महत्वपूर्ण है। सीकर, श्रीमाधोपुर, नीम का थाना , फतेहपुर शेखावाटी जिले के सबसे बड़े शहर व तहसील है। यहां पर तरह- तरह के प्राकृतिक रंग देखने को मिलते हैं सीकर जिले को "वीरभान" ने बसाया ओर "वीरभान का बास" सीकर का पुराना नाम दिया। राजा माधोसिंह जी ने वर्तमान स्वरूप प्रदान किया ओर सीकर नाम दिया। इन्होंने छल करके "कासली" गांव के राजा से गणेश जी की मूर्ति जीती, ये मूर्ति कासली के राजा को एक सन्त द्वारा भेंट की गई थी, इस मूर्ति की प्राप्ति के बाद कासली गांव "अविजय" था, कई बार सीकर के राजा ने कासली को जीतने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा, बाद में गुप्तचरों के जरिये जब इसके बारे में सूचना हासिल हुई तो आपने एक विश्वसनीय सैनिक को साधु का भेष धराकर कासली भेजा और छल से ये मूर्ति हासिल की तथा आगली सुबह कासली पर आक्रमण कर विजय हासिल की। छल से मूर्ति प्राप्त करने और विजय हासिल करने के बाद सीकर राजा ने महल के सामने गणेश जी का मंदिर भी बनवाया जो की आज भी सुभाष चोक में स्थित है। राजा ने गोपीनाथ जी का मंदिर भी बनवाया था। सीकर की रामलीला बहुत ही प्रसिद्ध है। पूरे शेखावाटी में इस रामलीला मंचन को भी राजा ने शुरू करवाया था। और अब इसे सांस्कृतिक मंडल नामक संस्था चलाती है। सीकर जिला राजस्थान के उत्तर-पूर्वी भाग में 27 डिग्री 21′ और 28 डिग्री 12′ उत्तरी अक्षांश तथा 74 डिग्री 44′ से 75 डिग्री 25′ पूर्वी देशान्तर के मध्य फैला हुआ है। इसके उत्तर में झुन्झुनूं, उत्तर-पश्चिम में चूरू, दक्षिण-पश्चिम में नागौर और दक्षिण-पूर्व में जयपुर जिले की सीमायें लगती हैं।

केन्द्र सरकार की अत्यन्त महत्वाकांक्षी स्मार्ट सिटी योजना में सीकर का चयन किया गया हैं. इस योजना से जुड़ने ही सीकर अब देश के उन खास 100 शहरों में शामिल हो जाएगा जिन्हें भारत सरकार ने संवारकर स्मार्ट सिटी बनाने का फैसला लिया हैं. इस योजना के तहत भारत सरकार शहर को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने के लिए 100 करोड़ का बजट भी देगी. इस राशि से शहर में कई विकास कार्य होंगे.[5]

| e-ISSN: 2278 – 8875, p-ISSN: 2320 – 3765| www.ijareeie.com | Impact Factor: 8.317|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 13, Issue 3, March 2024||

|DOI:10.15662/IJAREEIE.2024.1303008 |

सन्दर्भ

1. "Name Census 2011, Rajasthan data" (PDF). Censusindia.gov.in. Censusindia.gov.in. 2012. मूल से 31 दिसंबर 2016 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 28 Feb 2012.
2. ↑ "Parliamentary Constituencies of Rajasthan" (PDF). 164.100.9.199/home.html. 2012. मूल (PDF) से 16 जून 2013 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 28 Feb 2012.
3. ↑ "Assembly Constituencies of Sikar district" (PDF). Gisserver1.nic.in. Gisserver1.nic.in. 2012. मूल (PDF) से 8 मार्च 2014 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 28 Feb 2012.
4. "Lonely Planet Rajasthan, Delhi & Agra," Michael Benanav, Abigail Blasi, Lindsay Brown, Lonely Planet, 2017, ISBN 9781787012332
5. ↑ "Berlitz Pocket Guide Rajasthan," Insight Guides, Apa Publications (UK) Limited, 2019, ISBN 9781785731990

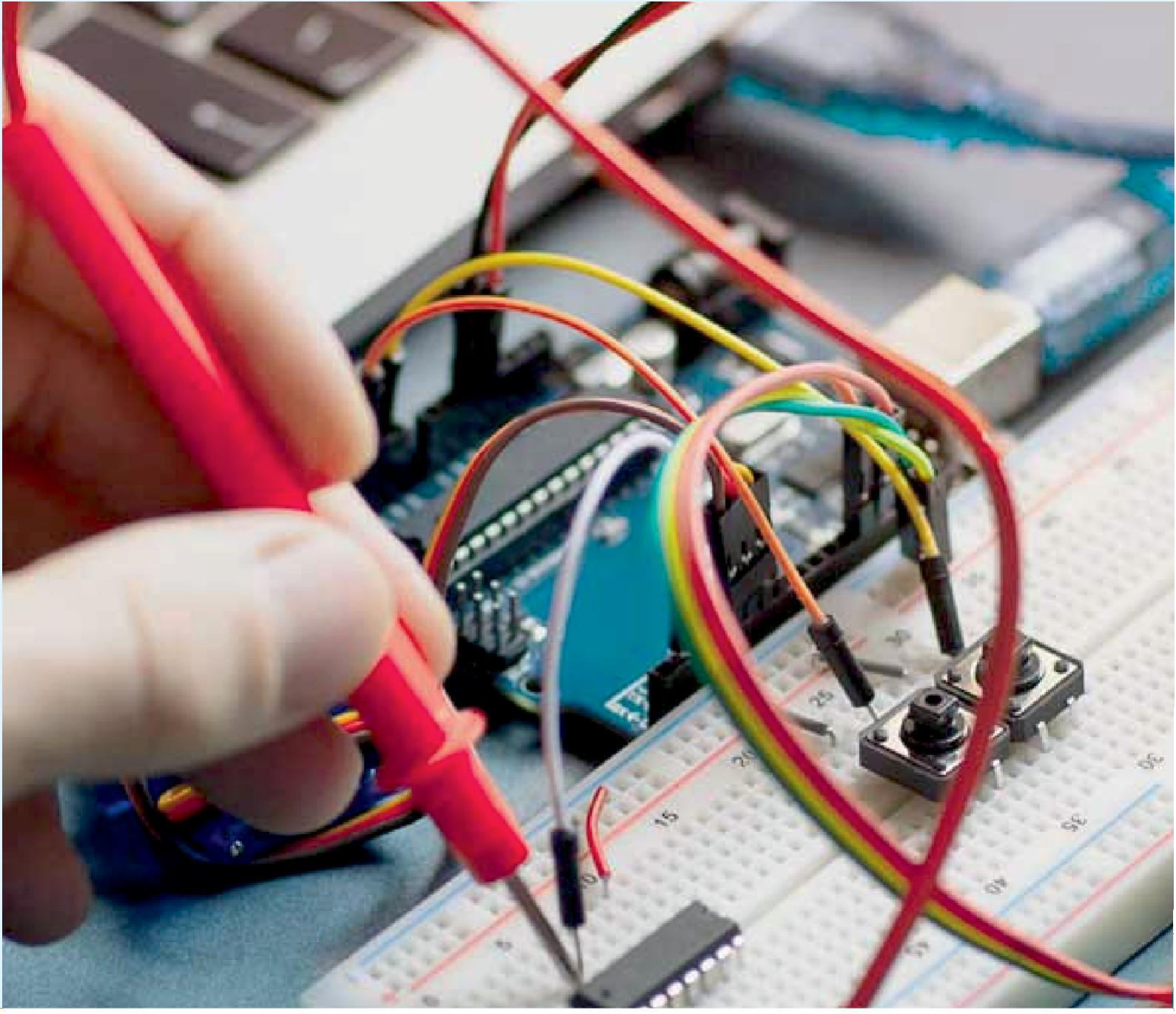

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

Impact Factor: 8.317

International Journal of Advanced Research

in Electrical, Electronics and Instrumentation Engineering

9940 572 462 6381 907 438 ijareeie@gmail.com

Scan to save the contact details